भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

मौखिक प्रश्न सं. 154

गुरूवार, 13 मार्च, 2025/22 फाल्गुन, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पुणे के लिए व्यापक पर्यटन विकास योजना

154 डा. मेधा विश्राम कुलकर्णी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पुणे जिले के लिए व्यापक पर्यटन विकास योजना का उद्देश्य धार्मिक, ऐतिहासिक, चिकित्सा, कृषि और इको पर्यटन जैसे पर्यटन के विभिन्न रूपों का एकीकरण करना है;

(ख) यदि हां, तो विभिन्न प्रकार के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्रत्येक श्रेणी के तहत प्रस्तावित विशिष्ट पहल कौन-कौन सी हैं;

(ग) नियोजन और कार्यान्वयन प्रक्रिया में सामुदायिक भागीदारी और हितधारकों से परामर्श सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(घ) क्या सरकार पुणे जिले के पारिस्थितिक रूप से संवदेनशील क्षेत्रों में बढ़ती पर्यटक गतिविधियों से उत्पन्न होने वाली संभावित पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान करने हेतु योजना बना रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

डा. मेधा विश्राम कुलकर्णी द्वारा पुणे के लिए व्यापक पर्यटन विकास योजना के संबंध में दिनांक 13.03.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के मौखिक प्रश्न सं. 154 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

(क) से (घ): व्यापक विकास योजनाएं तैयार करने सहित पर्यटन स्थलों का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक योजनाओं के माध्यम से विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन से संबंधित परियोजनाएं शुरू करने के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को संपूरित करता है। संबंधित योजनाओं के तहत ऐसी वित्तीय सहायता संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन से परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने पर और सरकार द्वारा समय-समय पर जारी योजना से संबंधित दिशानिर्देशों और अनुदेशों के अनुपालन, बजट की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता आदि के अध्यधीन प्रदान की जाती है।

परियोजना के कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध करवाने और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करवाने का कार्य भी संबंधित राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय ने हाल ही में स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के नाम से नया रूप प्रदान किया है, जिसका उद्देश्य देश में टिकाऊ और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों का विकास करना है। योजना के अंतर्गत 'शिवसृष्टि ऐतिहासिक थीम पार्क-चरण 3' परियोजना के लिए 76.22 करोड़ रु. सहित 791.25 करोड़ रु. की लागत से 34 परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी है।

स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के दिशा-निर्देश डीपीआर तैयार करते समय विभिन्न हितधारकों और स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ परामर्श करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। यह योजना पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता और आर्थिक स्थिरता सहित सतत पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित करती है।

*****